ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–१०
दिनांक- शुक्रवार, ०४ फरवरी, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 18.8 एवं 11.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 0.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.4 एवं दोपहर में 21.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 29.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(05–09 फरवरी, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 05–09 फरवरी, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- मौसम की ऐसी स्थिति (आसमान में बादल, हल्की वर्षा तथा तेज हवा) अगले १२–२४ घंटों तक यानी ५ फरवरी के सुबह तक बने रहने की सम्भावना है। हालांकि उसके बाद मौसम में बदलाव आ सकता है जिससे हवा की रफ्तार सामान्य, आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क होने की सम्भावना है।
- अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उसके बाद अधिकतम तापमान में ३–४ डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी होने के साथ अधिकतम तापमान 20 से 22 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 7 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले एक–दो दिनों तक पुरवा हवा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत वर्षा के कारण कहीं कहीं खेतो में जल जमाव की स्थिति पैदा हो गयी है। किसान भाई अपने खेतों से जल निकासी की उचित व्यस्था करे। अगले १२-२४ घंटों तक बारिश की संभावना बनी हुई है तथा कहीं कहीं ओला वृष्टि भी हो सकती है। वर्षा तथा ओला वृष्टि की संभावना को देखते हुए राई-सरसों की तैयार फसलों की कटाई अभी एक-दो दिनों तक स्थगित रखे।
- केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें जिससे रोग की उग्रता में कमी आयेगी। हल्की गुड़ाई करने के बाद प्रति केला २०० ग्राम यूरिया, २०० ग्राम म्यूरेट आफ पोटाश एवं १०० ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग करें।
- रबी मक्का की फसल में ४० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन वर्षा उपरान्त करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई करें। मिर्च की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करे। इसके शिशु/वयस्क कीट सैकड़ो की संख्या में पौधो की पत्तियो की निचली सतह पर छिपे रहते हैं और कभी-कभी उपरी सतह पर भी देखे जा सकते हैं। ये पत्तियो, कलियो व फूलो का रस चुसते है। यह कीट मिर्च में बांझी विषाणु रोग फैलाता है। इससे बचाव हेतु इमिडक्लोप्रीड १७.८ ई०सी० का १ मी०ली० या डायमेथोएट ३० ई०सी० का २ मि०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव मौसम शुष्क रहने पर करे।
- बसन्तकालीन ईख, शकरकन्द, गरमा सब्जी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। जो किसान भाई ईख लगाना चाहते हैं, खेत की तैयारी कर बुआई शुरु कर सकते है।
- मटर में फली छेदक कीट की निगराणी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियाँ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे-भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। सब्जियों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी-गली गोबर खाद का प्रबंध करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। इस कीट के पिल्लू रात्री के समय निकलकर इन सब्जियों की छोटे-छोटे उग रहे पौधो पर चढ़कर पत्तियों तथा कोमल शाखाओं को काटकर खाती है एवं जमीन पर गिरा देती हैं जिससे पूरा पौधा ही सूख जाता है।
- आम एवं लीची में मंजर आने की स्थिति में किसान अपने आम एवं लीची के बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया नहीं करें। इन बगानों में दीमक, मधुआ एवं दहिया कीटों तथा पौउड्री मिल्डेव रोग की निगरानी करे।

आज का अधिकतम तापमानः १६.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ७.४ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः १२.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.८ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी